प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना की संकल्पना के प्रगतिशाील सफर पर व्याख्यान

पंतनगर। 28 अगस्त 2021। विश्वविद्यालय के गृहविज्ञान महाविद्यालय में अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना के अन्तर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, के तत्वाधान में मनाये जा रहे 'भारत का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना की संकल्पना आंरभ एंव प्रगतिशील सफर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि आई.सी.ए.आर.–सीवा, सेन्ट्रन इंस्टीट्यूट फॉर वूमन इन एग्रीकल्चर, डा. अनिल कुमार; निदेशक शोध ा, डा. अजित सिंह नैन एवं प्रमुख वैज्ञानिक कृषि प्रसार एवं नोडल आफिसर, ए.आई.सी.आर.पी. वूमन इन एग्रीकल्चर, सीवा डा. लिपि दास तथा प्राध्यापिका, खाद्य एवं पोषण विभाग, डा. रीता सिंह रधुंवशी, उपस्थित थी।

मुख्य अतिथि डा. अनिल कुमार ने बताया कि प्राचीन समय से ही हमारे देश की महिलाओं ने विभिन्न समस्याओं के बावजूद हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर समाज एवं देश को आगे ले जाने में पुरूषों के बराबर जिम्मेदारी निभायी है। परन्तु इसके बावजूद भी उन्हें बराबरी का दर्जा नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में महिलाओं के विभिन्न समस्याएं, उन्हें विकास के क्षेत्र में आ रही रूकावटों को पहचान कर उन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

डा. अजीत नैन ने भारत का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की महत्ता के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान एवं उनकी परिकल्पना.भारत का सम्पूर्ण विकास, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास आदि की जरूरत है। उन्होंने उत्तराखण्ड के पहाडी राज्यों की महिलाओं के विकास में ए.आई.सी.आर.पी. परियोजना द्वारा किये जा रहे कार्यो की भी सराहना की। डा. लिपि दास ने कृषक महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महिलाओं द्वारा कृषि के हर क्षेत्र में किये जा रहे कार्यो के बावजूद सिर्फ 13 प्रतिशत महिलाओं को ही कृषि भूमि का मालिकाना हक मिल पाया है। उन्होंने कहा कि महिला एवं पुरूष कृषक के बीच लिंग भेद बढ़ता जा रहा है। वर्तमान समय में इस अंतर को दूर करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में ईकाई प्रभारी, डा. दीपा विनय ने भारत के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत किये गये विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस अवसर पर डा रीता सिंह रधुवंशी ने परियोजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की विकास यात्रा, उद्देश्य, उपलब्धियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अन्त में डा. अनिल कुमार एवं डा. लिपि दास ने परियोजना में किये गये कार्यो की सराहना करते हुंए सुझाव भी दिये। कार्यक्रम का संचालन, डा. दीपा विनय एंव डा. सीमा क्वात्रा द्वारा किया गया।